वर्ष :: 33 अंक : 13
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 25 दिसंबर, 2022 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

पत्रकारों की हकमारी... साजिश नाकाम

सफेदपोश बना रहे थे बोकारो प्रेस क्लब की जमीन पर होटल बनाने की योजना

उपायुक्त कुलदीप चौधरी की पहल से बोकारो प्रेस क्लब भवन बनने की उम्मीद तेज

संवाददाता

बोकारो : बोकारो प्रेस क्लब के लिए जिला प्रशासन की ओर से बोकारो हवाई अड्डा के सामने आवंटित 0.25 एकड़ जमीन को हड़पने की साजिश का भंडाफोड़ हो चुका है। बोकारो के वर्तमान उपायुक्त कुलदीप चौधरी के आदेश से अब प्रेस क्लब के भवन निर्माण की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है। स्थानीय पत्रकारों के बीच आपसी सामंजस्य की कमी और गुटबाजी का फायदा उठाने की नीयत से यहां के कुछ राजनीतिज्ञों द्वारा बोकारो प्रेस क्लब को आवंटित उक्त भूखंड को अपने लिए आवंटित कराने की साजिश अब नाकाम हो गई है।

दरअसल, जिला प्रशासन ने सदर अस्पताल के पीछे बोकारो प्रेस क्लब के लिए जमीन का आवंटन किया था। लेकिन, बोकारो प्रेस क्लब के तत्कालीन अध्यक्ष शशांक शेखर एवं महासचिव विजय कुमार झा ने उक्त जमीन को प्रेस क्लब के लिए अनुपयुक्त और अनुपयोगी बताते हुए तत्कालीन उपायुक्त राय महिमापत रे को लिखित आवेदन देकर उसके बदले उपयोगी जमीन आवंटित करने का आग्रह किया। उपायुक्त के आदेश से पुराने आवंटन को रद्द कर बोकारो हवाई अड्डा के सामने 0.25 एकड़ जमीन आवंटित की गई। दिनांक- 26 फरवरी, 2019 को भवन निर्माण के लिए भूमि-पूजन भी किया गया। परन्तु, कुछ तथाकथित 'बुद्धिजीवियों' के तात्कालिक विरोध के कारण भवन निर्माण की प्रक्रिया रुक गई। इस बीच जब राजनीतिज्ञों द्वारा उक्त कीमती जमीन पर आलीशान होटल बनाने की नीयत से उसे अपने लिए आवंटित कराने की साजिश का खुलासा हुआ तो पुनः बोकारो प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष शशांक शेखर एवं पूर्व महासचिव व संस्थापक ट्रस्टी विजय कुमार झा सक्रिय हुए। इन्होंने उपायुक्त कुलदीप चौधरी से मिलकर उन्हें सारे दस्तावेज उपलब्ध कराते हुए प्रेस क्लब की जमीन को अतिक्रमण से बचाने एवं भवन निर्माण करवाने का लिखित अनुरोध किया। इसी बीच राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पत्रकारों ने सामूहिक रूप से उपायुक्त को एक ज्ञापन देकर उनसे प्रेस क्लब भवन निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ करवाने का आग्रह किया।

फंड आवंटन की पहल शुरू, नक्शा और डिजाइन तैयार करने का भी दिया निर्देश

उपायुक्त श्री चौधरी ने भवन प्रमंडल को बोकारो प्रेस क्लब के भवन निर्माण का नक्शा व डिजाइन तैयार करने का भी निर्देश दिया है। साथ ही संबंधित विभाग से निधि (फंड) आवंटन के लिए भी पहल शुरू कर दी गई है। उम्मीद है कि रांची, धनबाद व अन्य शहरों की तरह बोकारो में भी पत्रकारों की सुविधा के लिए प्रेस क्लब का निर्माण जल्द हो जाएगा। इस सकारात्मक कार्रवाई के लिए बोकारो प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष शशांक शेखर और पूर्व महासचिव विजय कुमार झा ने उपायुक्त कुलदीप चौधरी के प्रति आभार जताया है। बोकारो प्रेस क्लब से जुड़े जिले के सभी पत्रकारों में भी हर्ष व्याप्त है।

ऐसे करवाई गई जमीन की मापी

21 दिसम्बर, 2021 को बोकारो प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष शशांक शेखर ने उक्त मुद्दे पर उपायुक्त कुलदीप चौधरी से लगभग 45 मिनट तक वार्ता की। इसी आलोक में उपायुक्त श्री चौधरी ने जिला सूचना एवं जन-सम्पर्क पदाधिकारी राहुल भारती को प्रेस क्लब की जमीन की मापी करवाते हुए आगे की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया। फिर प्रेस क्लब के संस्थापक ट्रस्टी और पूर्व महासचिव विजय कुमार झा भी सूचना भवन पहुंच गये। वहां बोकारो प्रेस क्लब की फाइल गायब पायी गई। श्री झा ने आनन-फानन में जिला सूचना एवं जन-सम्पर्क पदाधिकारी श्री भारती को प्रेस क्लब के लिए भूमि आवंटन, पारित नक्शा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करवाये और जन-सम्पर्क पदाधिकारी सहित उनकी पूरी टीम को चिह्नित जमीन पर ले गये। वहां प्रशासन के अधिकारियों ने जमीन की मापी की। फिर उपायुक्त के आदेश पर जमीन की साफ-सफाई कराने की कार्रवाई भी शुरू हो गई। मापी के दौरान सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी (एपीआरओ) अविनाश कुमार सिंह, जिला जनसंपर्क कार्यालय के इकाई लिपिक राकेश रंजन सिन्हा, आशुतोष कुमार आदि मौजूद रहे।

ट्रस्टियों ने जताया डीसी का आभार, कहा- पत्रकारहित में सकारात्मक कदम

बोकारो प्रेस क्लब की जमीन कब्जे से बचाने तथा मापी कराकर प्रेस क्लब भवन-निर्माण की दिशा में उपायुक्त की खास पहल के प्रति क्लब के ट्रस्टियों ने आभार जताया है। ट्रस्टी विजय कुमार झा, शंभु पाठक, धनंजय प्रताप, अक्षय कुमार और आशीष सिन्हा ने उपायुक्त कुलदीप चौधरी की पहल को पत्रकारहित में एक सकारात्मक कदम बताते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब की जमीन-मापी होने के साथ ही भवन निर्माण की दिशा में एक सकारात्मक उम्मीद भी बलवती हो गई है। पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और बोकारो प्रेस क्लब ने हमेशा ही सभी पत्रकारों को एक मंच पर साथ लेकर उनके हित में काम करने का सकारात्मक प्रयास ही किया है। प्रशासन की मदद से यह प्रयास और आगे बढ़ेगा।

लापरवाही इलाजरत अभियंता ने अपने बयान में लगाया आरोप, बंगाल व झारखंड में एफआईआर; सदन में गूंजा मामला

सुरक्षा में अनदेखी की वजह से हुआ था इलेक्ट्रोस्टील में विस्फोट

संवाददाता

बोकारो : जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत सियालजोरी स्थित वेदांता इलेक्ट्रोस्टील कंपनी में 15 दिसंबर को हुआ विस्फोट लापरवाही और सुरक्षा में चूक का नतीजा था। यह आरोप हादसे में घायल इलाजरत अभियंता पलाश पाल ने पुलिस को दिए गए अपने बयान में लगाया है। प्लांट के एमआरएसएस के वैक्यूम सर्किट ब्रेकर में हुए हादसे को लेकर वेदांता इलेक्ट्रोस्टील कंपनी प्रबंधन, एलबी इंजीनियरिंग ठेका कंपनी और अन्य लोगों पर हादसे में घायल टेस्टिंग इंजीनियर पलाश पाल के बयान पर सियालजोरी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई।

उसने कोलकता स्थित अपस्ताल में अपना बयान कोलकता पुलिस को दिया था। वहां से बयान सियालजोरी थाना पहुंचने पर प्राथमिकी दर्ज हुई। थाना प्रभारी रवि शर्मा ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पलाश पाल ने पुलिस को बताया है कि उसे एलबी इंजीनियरिंग ठेका कंपनी ने एमआरएसएस के वैक्यूम सर्किट ब्रेकर में थोड़ी दिक्कत होने की बात कहते हुए कोलकता से कंपनी में लेकर आई थी, जहां पर एक दिन पूर्व ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। उसकी मरम्मत करते हुए सर्किट ब्रेकर को ठीक कर रहे थे। इसी बीच अचानक ने ब्लास्ट हो गया और पूरे ब्रेकर में आग लग गई। जिसमें अंदर में मौजूद चार लोग झुलस गए, जबकि अन्य लोग ब्लास्ट होते ही जान बचाकर भाग निकले। घायलों में से एक मजदूर की मौत कोलकाता में इलाज के दौरान हो गई। आरोप है कि **(शेष पेज-7 पर)**

वेदांता ईएसएल में सुरक्षा मानकों की हो जांच : अमर

15 दिसंबर को बोकारो के वेदांता इलेक्ट्रोस्टील में विस्फोट के मामले को चंदनकियारी विधायक अमर बाउरी ने विधानसभा में उठाया। उक्त हादसे में बंगाल के 4 मजदूर बुरी तरह झुलस गए थे और एक मजदूर की मृत्यु हो गई थी। इन सभी घायलों को इलाज के लिए पश्चिम बंगाल ले जाया गया। चूंकि ये सभी मजदूर पश्चिम बंगाल के थे इसलिए वहां केस दर्ज करवाया गया। इसके बाद झारखंड में केस दर्ज किया गया। अमर बाउरी ने सदन से एक उच्चस्तरीय जांच कमेटी बनाकर इस पूरी घटना की जांच के साथ-साथ संबंधित विभाग की तरफ से सभी घायल मजदूरों एवं मृतक मजदूर को मुआवजा की राशि उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं, सदन के माध्यम से वेदांता इलेक्ट्रोस्टील में सुरक्षा के मानको की जांच कराते हुए उसे लागू करवाने की भी मांग की।

– संपादकीय –

घुसपैठ पर सख्ती की जरूरत

झारखंड में बंगलादेशी घुसपैठियों की वजह से सीमावर्ती इलाकों में मुस्लिम आबादी के बढ़ने का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा विधायक अनंत कुमार ओझा ने शुक्रवार को गैर सरकारी संकल्प पेश करते हुए संताल परगना की बदल रही डेमोग्राफी और बांग्लादेशी घुसपैठियों की मौजूदगी पर राज्य में एनआरसी तैयार कराने का प्रस्ताव दिया। ओझा ने संताल परगना में आदिवासी लड़की की हत्या और घटती आदिवासी-हिन्दू आबादी तथा बढ़ती मुस्लिम आबादी पर चिंता जताई। सदन में कहा गया कि राज्य में, विशेष कर संथाल अन्तर्गत साहेबगंज, पाकुड़, गोड्डा, दुमका तथा जामताड़ा जिले में बांग्लादेशियों की घुसपैठ एक बड़ी समस्या है। इससे यहां की डेमोग्राफी में परिवर्तन हुए हैं और जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हुई है। हालांकि, गैर सरकारी संकल्प में विधायक अनंत कुमार ओझा के इससे जुड़े प्रस्ताव पर सदन में गर्मागरम बहस हुई और विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए सदस्यों के मत पर इस प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया। यह सच है कि एनआरसी का मामला केन्द्र सरकार के विचाराधीन है, लेकिन झारखंड सहित देश के विभिन्न हिस्सों में बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों के घुसपैठ की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने भी इन घटनाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है। साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा इसे लेकर सख्त कार्रवाई करने की जरूरत बताई है। दरअसल, झारखंड के सीमावर्ती जिले बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों की शरणस्थली बन गये हैं। कई दशकों से साहिबगंज, पाकुड़ और गोड्डा जिले में बंगाल से लगती सीमाएं अवैध तरीके से झारखंड में आने वाले घुसपैठियों के आसान रास्ते बने हुए हैं। इससे इन इलाकों की डेमोग्राफी तो बदली ही है, यहां रहने वाले आदिवासियों और मूलवासियों की संस्कृति को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। जबकि, राजीनीतिक दलों के नेता वोट बैंक की खातिर इस घुसपैठ को संरक्षण देते रहे हैं। आश्चर्य तो यह है कि ऐसे अवैध घुसपैठियों के आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड भी बना दिए जाते हैं। ऐसे लोग अब स्थानीय निकाय चुनावों में भी अपनी जीत दर्ज करने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर इन लोगों के अपराध की घटनाओं में भी शामिल होने की बातें सामने आ रही हैं। इसलिए अब जरूरत इस बात की है कि झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों के सीमावर्ती इलाकों में अवैध घुसपैठ पर सख्ती से रोक लगाने और ऐसे घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर निकालने की दिशा में केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से पहल की जाय।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

रोग नहीं, स्वास्थ्य की हो बात

- बी. कृष्णा नारायण -

विश्व की परेशानी समझ में आती है, परंतु संपूर्ण विश्व को स्वास्थ्य का मूल मंत्र देने वाला देश भारत भी आज स्वयं के यहां के निवासियों के स्वास्थ्य को लेकर पेशोपेश में है, भय में है। यह स्थिति की गंभीरता का द्योतक है। कोरोनावायरस का बढ़ता संक्रमण चिंता का विषय है। भारत युवाओं का देश है, यह आज हम नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य देश कह रहे हैं। क्या कारण है कि आज यही युवा वर्ग, जो विश्व में सकारात्मक बदलाव ला सकता है, रोग से ग्रसित होने के भय में है? क्या किया जाए कि इन्हें इस भय से मुक्ति मिले और इन्हे स्वयं की शक्ति का भरोसा हो। इन्हें इनका बल मिले।

हम सब जानते हैं कि जब तक सिर्फ रोग से मुक्ति की बात करेंगे, इसका कोई समाधान नहीं निकल कर आएगा। हमारा Approach - Reductionist approach नहीं, बल्कि HOLISTIC Approach हो। खंड-खंड में, नहीं बल्कि समेकित बात हो। ऐसे उपाय किये जाएं, जहां रोग की दशा ही न आने पाए। रोग से पूर्व उसकी जो मनोदशा है, उसकी जो भाव दशा है, उसकी जो शारीरिक दशा है, उनको संतुलित और समग्र रखा जाय।

रोग नहीं, स्वास्थ्य की बात हो। स्वास्थ्य, जहां प्रत्येक व्यक्ति अपने अपने 'स्व' में अवस्थित हो जाय।

'स्वस्मिन स्थियते अनेन इति स्वस्थः'

इससे बचाव का सटीक तरीका हमारे पास है-

(कोई एक सूत्रीय फार्मूला नहीं, बल्कि मैक्रो और माइक्रो स्तर पर कार्य किये जाने की जरूरत है।)

जीवनशैली में बदलाव + समुचित खान-पान+ योग+ चिकित्सा

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा।

- भगवद्गीता

योग सारे दुखों को दूर कर सकता है, लेकिन कब?

ठीक समय पर जब भोजन किया जाये, ठीक समय पर विचरण किया जाये, अपने-अपने कार्यों को कुशलतापूर्वक किया जाये, सही समय पर सोया जाये और सही समय पर जगा जाये। ऐसा आचरण करने पर योग ऐसी मनःस्थिति बनता है, जिसमें व्यक्ति हमेशा प्रसन्न रहता है, समभाव में रहता है, इन्द्रियों और कामनाओं का 'दमन' नहीं, अपितु 'शमन' करता है। ऐसा योग, रोग की दशा ही नहीं आने देता है। मन का शरीर के साथ, मन का इंद्रियों के साथ, मन का बुद्धि के साथ और मन का आत्मा के साथ, योग का संयोग जब होता है तब तीनों स्तर में एकात्म स्थापित होता है। शारीरिक, मानसिक (मन+बुद्धि) और आध्यात्मिक (आत्मा) जब तक तीनों स्तर पर कार्य नहीं किया जायेगा, इसका निदान असंभव है।

समदोषः समाग्निश्च समधातुमलक्रियः।
प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थ इत्यभिधीयते॥

- सुश्रुत

त्रिदोष- वात, पित्त और कफ, अग्नि (जठराग्नि, वैश्वानर), सप्त धातु, सम अवस्था में रहते हैं, मल मूत्रादि की क्रिया ठीक होती है और आत्मा, इन्द्रिय और मन प्रसन्न रहते हैं वह मनुष्य स्वस्थ्य है। हम क्या, कब, कहां और कैसे खा और पी रहे हैं रहे हैं, इन सबका हमारे जठराग्नि पर अत्यंत गहरा प्रभाव पड़ता है। हमारा खान पान सूर्य के साथ लय में होने चाहिए।

इस मौसम में गुड़ का सेवन करना चाहिए।

पित्त विकार से पीड़ित - हरड़ के साथ गुड़ का सेवन करें।

कफ विकार से पीड़ित - अदरक के साथ गुड़ का सेवन करें ।

वात विकार से पीड़ित- सोंठ के साथ गुड़ का सेवन करें ।

चावल, दही, कढ़ी, राजमा, उड़द, केला, अमरुद, बैंगन आदि का सेवन कम से कम करें, बादाम गिरी, अखरोट का नित्य सेवन करें दूध में स्वाद के अनुसार हल्दी या बड़ी इलाइची (काली इलाइची, मोती इलाइची) डालकर ही लें।

स्नान करने से पूर्व शरीर में सरसों/तिल के तेल की मालिश करें। स्नान के बाद साफ तौलिये को पूरे शरीर पर ऊपर से नीचे और पुनः नीचे से ऊपर घुमाते हुए साफ करें। ऐसा करने से शरीर की मांशपेशियों में रक्त का प्रवाह संतुलित हो जायेगा।

'यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे। अर्थात जो ब्रह्माण्ड में है, वही पिण्ड अर्थात शरीर में है।

स्वयं के साथ साथ प्रकृति के साथ एकात्म स्थापित किये जाने की जरूरत है। अंतस और बाह्य के बीच ले स्थापित किये जाने की जरूरत है।

छान्दोग्य उपनिषद के अनुसार हम पृथ्वी पर वास करने वाले ही अंतरिक्ष की गतिविधियों से प्रभावित नहीं होते, वरन हम भी उन्हें प्रभावित करते हैं। कहने का तात्पर्य यह की यदि हम विकास के नाम पर हर स्तर पर प्रदूषण फैलाएंगे तो बदले में निदान कहां से पाएंगे।

अभी अच्छी बात यह है कि अब शनैः शनैः सूर्य के ताप में वृद्धि होगी और इसकी पोषक क्षमता बढ़ेगी तो हम सब अपनी चर्या में यथासंभव बदलाव लाने की शुरुआत करें, अपने खान-पान की आदतों में सुधार लाएं, सोने और जागने के समय को व्यवस्थित करते हुए सूर्य के साथ लयबद्ध होकर एकात्म स्थापित कर लें, ऐसा करते ही कोरोना तो कोरोना अन्य कोई भी वायरस हमसे सात कोस दूर ही रहेगा।

ग्रहों के संचार के अनुसार, अभी आने वाले सप्ताह में, वैश्विक स्तर पर मौसम का मिजाज तेजी से बदलेगा। दिन और रात का तापमान काफी फ्लक्चुएटिंग होगा। इसी प्रकार जनवरी माह में भी कमोवेश यही स्थिति बनी रहेगी। वर्ष 2023 में 2022 के मुकाबले कम बारिश और अधिक गर्मी का प्रकोप रहेगा। 2023 के उत्तरार्ध में प्रकृति अस्थिर होगी। प्रकृति का अस्थिर होना, तापमान में तेजी से उतार चढ़ाव होना, कम बारिश का होना और प्रचंड गर्मी का होना- ये सब मिलकर फिलहाल वायरस के प्रकोप से मुक्त होने की स्थिति नहीं बना रहे हैं। वायरस/ बैक्टीरिया जनित रोग बढ़ेंगे।

हम सब इस मंत्र के गूढ़ार्थ को समझते हुए इसका नियमित जाप करें-

ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षं शान्तिः,
पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः।
वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः,
सर्वं शान्तिः, शान्तिरेव शान्तिः, सा मा शान्तिरेधि ॥
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

धुलोक, अंतरिक्ष, पृथ्वी, वनस्पति,औषधि हर जगह जो शांति है, वही शांति मुझे भी मिले। यह शांति हमें मिल गयी या नहीं, इसको जांचने का बड़ा ही आसान और सरल तरीका है- सुबह उठते ही यदि हमने अपने आपसे पूछा कि आज कितना जोश है, आज काम करने के प्रति हम कितने उत्साहित हैं और अंदर से आवाज आये कि जोश तो कल से भी ज्यादा है और कल के वनिस्पत दुगुना उत्साह है तो समझिये सब कुछ सम भाव में है, प्रसन्न अवस्था में है और इसके विपरीत जवाब आया तो मतलब कि सबकुछ सही नहीं है।

(लेखिका वरिष्ठ ज्योतिषविद् हैं।)

मैथिली कविता

हे अटल !

– शंभु नाथ –

*बढल डेग नहि पाछू घुरि
के देखल कखनहुं
बात बात मे सब कहि
देलहुं रोच ने रखलहुं
मधुर हास संग शान्त
धीर सदि अस्त्र बनेलहुं
हे अटल लीककेर
पथगामी नव बाट
देखेलहुं।*

*घटाटोप अनहार जखन
छायल छल सबतरि
उथल पुथल ई देश छलै
बिखरायल सबतरि
बान्हि सकल कें एक
सूत्र पटरी पर अनलहुं
वाह वाह सं गूंजि उठल
जगती छल सबतरि।*

*हे अटल अहां अपना
पथ केर एकसर गामी
सकल ने दोसर दूरहुं
तक अंहकेर अनुगामी
रहल अधर पर सतत
हास आ सस्पुट भाषा
राजनीति सं नेहक संग
कविता केर कामी।*

*मातृभूमि सं राखि स्नेह
आ वक्ता प्रखर महान
साहित्यक सेवा मे नित
रत काव्यहुं केर अवदान
कयलनि जे सर्वस्व
निछावर जन सेवा केर
लेल
जन्म दिवस केर
शुभबेला मे नतसिर
हुनहिं प्रणाम।।*

'आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है खेल'

स्कूलों में खेल गतिविधियों और उत्सवों की मची है धूम

संवाददाता

बोकारो : *छात्रों के जीवन में खेलकूद भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि पढ़ाई। बच्चों के सर्वांगीण विकास में खेल की भूमिका को अहमियत देते हुए बोकारो, चास के विभिन्न विद्यालयों में इन दिनों वार्षिक खेल महोत्सवों की धूम मची है। इसके माध्यम से बच्चों को स्वस्थ तन के साथ स्वस्थ मन के निर्माण की दिशा में कई गुर सिखाए जा रहे हैं।*

मिथिला अकादमी- अनुशासन भावना सिखाता है खेल : एसपी

नगर के सेक्टर- 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल का 27वां वार्षिक खेलकूद समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि बोकारो के पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार झा, सम्मानित अतिथि बीएसएल के जीएम (कॉन्टैक्ट सेल) विजय प्रसाद बरनवाल, विद्यालय के संरक्षक प्रभात कुमार झा, सचिव प्रमोद कुमार झा चंदन, संयुक्त सचिव नीरज चौधरी, बटोही कुमार, सीके मिश्रा, प्राचार्य अशोक कुमार पाठक ने संयुक्त रूप से झंडोत्तोलन कर समारोह का उद्घाटन किया। मशाल प्रज्ज्वलन एवं खिलाड़ियों को शपथ ग्रहण अंजू कुमारी ने दिलाई। प्राचार्य अशोक कुमार पाठक ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को खेल प्रतिभा निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथि एसपी चंदन झा ने बच्चों की खेल प्रतिभा की सराहना की और कहा कि खेल हमारे जीवन से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। खेल से टीम भावना और अनुशासन का विकास होता है। खेल जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। वार्षिक खेलकूद के तहत नर्सरी से कक्षा बारहवीं तक के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्कीपिंग रेस, कमांडो रेस, रिले रेस, फ्रॉग रेस आदि प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इतना ही नहीं, अभिभावकों के लिए 50 मीटर रेस एवं म्यूजिकल रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के बच्चों के अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसके पूर्व, कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गान से हुई। चारों सदनों के मार्च पास्ट के साथ-साथ आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए, जिसमें जुंबा, पिरामिड, नागपुरी डांस भी था। प्रतियोगिताओं में भारती सदन प्रथम स्थान पर एवं बिरसा सदन द्वितीय स्थान पर रहा। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार आयुष कुमार एवं अंजू कुमारी को दिया गया। विजेता बच्चों को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अरुण पाठक, अविनाश झा अवि, मिथिला सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त सचिव समरेन्द्र झा, कार्यकारिणी सदस्य गंगेश कुमार पाठक सहित विद्यालय के सभी शिक्षक व काफी संख्या में बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे।

डीपीएस चास वार्षिक खेलकूद 'स्पर्धा' आयोजित, सतलज हाउस ने बाजी मारी

डीपीएस चास में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। 'स्पर्धा' नामक इस आयोजन में कुल 310 अंक लेकर सतलज हाउस पहले, 254 अंकों के साथ चेनाब हाउस दूसरे और 178 अंक लाकर यमुना हाउस तीसरे स्थान पर रहे। बेस्ट एथलीट का पुरस्कार श्रेया सुमन, मंजीत कुमार, अक्षरा कुमारी, राज टुडू, ज्योत्स्ना राज और अनुज कुमार को कक्षावार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने मशाल जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने डॉ. मोहन के साथ ध्वजारोहण का कार्य किया। तत्पश्चात गुब्बारे उड़ाकर खेल प्रतियोगिता के प्रारंभ की आधिकारिक घोषणा की गई।

कार्यक्रम के प्रारंभ में छात्राओं ने स्वागत गीत व विद्यालय गीत की प्रस्तुति दी। 'स्पर्धा' की शुरूआत चारों सदनों- गंगा, यमुना, चेनाब और सतलज द्वारा मार्च पास्ट के साथ हुई। इसके बाद दूसरी से पांचवीं कक्षा के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने बटरफ्लाई और एरोबिक ड्रिल का शानदार प्रदर्शन से समां बांध दिया। इस आयोजन हेतु क्रीडांगण को पूरी तरह से सजाया गया था। इस क्रम में विद्यार्थियों ने अपनी शारीरिक क्षमता व हुनर का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं की कड़ी में 100 मी., 200 मी. 400 मी. रेस, रिले रेस, चम्मच-गोली संतुलन रेस, मैथ रेस, हाई जंप, लौंग जंप, शॉट पुट, बैग रेस उल्लेखनीय हैं। शिक्षकों के लिए भी 100 मीटर रेस एवं चम्मच-गेंद संतुलन की प्रतियोगिता हुई जिसमें उन्होंने उत्साह पूर्वक भाग लेकर भरपूर आनंद लिया। मुख्य अतिथि डॉ. हेमलता ने कार्यक्रम के शानदार आयोजन पर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने छात्र के जीवन में खेल के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल केवल शिक्षा का एक हिस्सा ही नहीं है, बल्कि स्वयं पूर्ण शिक्षा है। खेल जीवन को लय में बांधने में मदद करता है। प्रभारी प्रधानाचार्या दीपाली भुस्कुटे ने खेल दिवस को सफल बनाने में सराहनीय कार्य के लिए शिक्षकों के साथ-साथ छात्रों की भी सराहना की।

डीपीएस बोकारो - अंतर विद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का समापन

डीपीएस बोकारो की मेजबानी एवं डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के तत्वावधान में आयोजित दो-दिवसीय अंतर विद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता शुक्रवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गई। सहोदया से जुड़े 10 विभिन्न स्कूलों के लगभग 400 प्रतिभागियों ने इसमें जोशो-खरोश के साथ हिस्सा लिया तथा बालिका-बालक वर्ग की अलग-अलग कैटेगरी में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। अंडर- 19 बालिका वर्ग में मेजबान डीपीएस बोकारो तथा चिन्मय विद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि, होली क्रॉस स्कूल और ओरिएंटल फाउंडेशन स्कूल ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिकाओं के अंडर- 14 वर्ग में भी डीपीएस बोकारो ने जीजीपीएस, सेक्टर-5 के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान अर्जित किया। श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल की टीम दूसरे स्थान पर रही। अंडर- 19 बालक वर्ग में एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल तथा जीजीपीएस, सेक्टर-5 की टीमें क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं, अंडर- 14 बालक वर्ग में श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल और बोकारो पब्लिक स्कूल ने क्रमशः पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि, ओरिएंटल फाउंडेशन स्कूल तथा डीपीएस बोकारो की टीम ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में डीपीएस बोकारो की छात्रा अन्वेषा शर्मा ने अंडर-14 एवं साक्षी ने अंडर- 19 में बेस्ट प्लेयर का खिताब पाया। बालकों के अंडर- 14 वर्ग में राजवीर (श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल) एवं अंडर- 19 में अर्नव (एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल) बेस्ट प्लेयर रहे। विजेता एवं उपविजेता टीमों को समापन समारोह के मुख्य अतिथि बोकारो स्टील प्लांट के वरीय प्रबंधक (क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं) सुभाष रजक ने पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है और इसके लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी महत्वपूर्ण है। सफल, अनुशासित और सार्थक जीवन के लिए खेल काफी जरूरी है। मौके पर डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एवं सहोदया के अध्यक्ष डॉ. ए. एस. गंगवार, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य फादर रेजी सी. वर्गीज एवं चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान बच्चों ने मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

चिन्मय क्रीड़ोत्सव में छात्र-छात्राओं ने दिखाए दमखम, वायु सदन विजयी

चिन्मय विद्यालय, बोकारो कें क्रीड़ांगन में वार्षिक खेलकूद समारोह क्रीड़ोत्सव का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इसमें विद्यालय के सभी सदनों के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागी बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए अभिभावकों की भारी भीड़ जमा थी। वैदिक स्वस्तिवाचन मंत्र के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय तथा विशिष्ट अतिथियों में चिन्मय चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्य स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आरएन मल्लिक तथा एसपी चंदन झा की सहधर्मिणी दीप्ति झा रहीं। सभी अतिथियों सहित उपस्थित जन समूह का स्वागत करते हुए विद्यालय प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि खेल जीवन ही जीवन का दर्शन है। यह हमें लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए एकाग्रचित हो हमेशा अभिप्रेरित करता रहता है। मुख्य अतिथि विश्वरूप मुखोपाध्याय ने कहा कि खेल संकल्प से सिद्धि तक पहुंचने का मार्ग बताता है। उन्होंने आगे कहा कि चिन्मय विद्यालय का मुख्य उद्देश्य बच्चों का समग्र विकास है। यह कार्यक्रम सात स्तंभों वाले चिन्मय दृष्टि पर आधारित है, परंतु खेल एक ऐसा खूबसूरत प्लेटफार्म है जिसमें ये सभी सात आयाम समाहित हैं। विद्यालय के कई छात्र खेल में राष्ट्रीय स्तर तक यश अर्जित कर चुके हैं। आने वाले वर्षों में विद्यालय खेल पर और अधिक ध्यान केंद्रित करेगा। अपने संबोधन के बाद उन्होंने विद्यालय गान की धुन के बीच खेल दिवस का झंडा फहराया तथा कार्यक्रम के शुरूआत की घोषणा की। पूरा कार्यक्रम उद्घाटन से लेकर समापन तक खेल-कूद एवं नृत्य-संगीत से भरा रहा। प्रथम सत्र में कक्षा प्री-नर्सरी से छठी तक के छात्र-छात्राओं के लिए 32 स्पर्द्धाओं का आयोजन किया गया, जिनमें म्यूजिकल चेयर, हर्डल रेस, ओवरहेड रेस और विभिन्न दूरियों की दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कुल 468 अंकों के साथ वायु सदन ओवरआल चैंपियन बना। द्वितीय सत्र में कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 4 गुणा 100 मीटर, 800 मीटर आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अंत में अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए 100 एवं 200 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया जीतने वाले सभी प्रतिभागियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। क्रीड़ा उत्सव का संचालन क्रीडा विभाग के विभागाध्यक्ष हरिहर पांडे ने किया। सफल आयोजन में संजीव सिंह, प्रांजाल साकिया, देवदीप चक्रवर्ती, रणविजय ओझा, परवीन, नीतीश कुमार, ललिता उरांव आदि की अहम भूमिका रही।

सुशासन को आगे आया प्रशासन

सेवा-संतुष्टि के भाव से लोगों को दिलाएं योजनाओं का लाभ : डीआईजी

संवाददाता

बोकारो : सुशासन को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारी आगे आते दिख रहे हैं। 19 से 25 दिसंबर तक आयोजित गुड गवर्नेंस सप्ताह के तहत जिलास्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि सेवानिवृत पुलिस उप महानिरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह शामिल हुए। मौके पर बतौर अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक (कोयला प्रक्षेत्र) पटेल मयूर कन्हैया लाल, डीसी कुलदीप चौधरी, एसपी चंदन झा, उप विकास आयुक्त कीर्तीश्री, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत आदि उपस्थित थे। सभी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि सेवानिवृत पुलिस उप महानिरीक्षक श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशासन का कार्य समाज के निचले पायदान पर वंचित लोगों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ते हुए उनका उत्थान करना है। डीआईजी श्री पटेल ने कहा कि समाज का एक बड़ा हिस्सा सरकार की योजनाओं पर निर्भर रहता है। हमारा काम है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उन योजनाओं को कैसे पहुंचाएं। उन योजनाओं का लाभ प्राप्त होने के बाद उनके चेहरे पर जो संतुष्टि का भाव दिखता है, वही हमारी सेवा की संतुष्टि है। इसे हम कर रहें है और इसे और बेहतर करना है।

अपने स्वागत संबोधन में डीसी श्री चौधरी ने गुड गवर्नेंस सप्ताह के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने और समाज के अंतिम व्यक्ति को लाभान्वित करना प्रशासन का कार्य है। प्रशासन और जनता के बीच का संवाद दोनों तरफ से हैं। एसपी चंदन झा ने कहा कि पुलिस विभाग काफी महत्वपूर्ण है। कहा कि कई मामलों में पुलिस को अपने भावनाओं को दरकिनार कर काम करना पड़ता है। फैक्ट के आधार पर सही गलत की पहचान कर निर्णय लेने को कहा। आने वाले समय में हिडेन क्राइम की संख्या बढ़ेगी। इसके लिए पुलिस को और तैयारी करनी होगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि समय के साथ हमें पारंपरिक पद्धति को छोड़ नई तकनीक का इस्तेमाल करना होगा। अनुसंधान में विज्ञान और तकनीक का समावेश जरूरी है।

कार्यशाला में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा गुड गवर्नेंस को केंद्रित करते हुए जिला स्तरीय फिल्म क्लिप का प्रदर्शन किया गया, जिसमें सभी विभागों द्वारा किए गए कार्यों, लाभुकों के राय आदि को दिखाया गया। वहीं, सभी विभागों जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, कल्याण विभाग, पुलिस विभाग आदि द्वारा क्रमवार पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभाग से जुड़े कार्य/उपलब्धियों की जानकारी दी गई। इस क्रम में बेहतर कार्य व प्रेजेंटेशन के लिए जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, पुलिस विभाग एवं शिक्षा विभाग को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

मौके पर डीआरडीए निदेशक संजीव कुमार, मुख्यालय डीएसपी मुकेश सिन्हा, सिटी डीएसपी कुलदीप कुमार, डीसीएलआर जेम्स सुरीन, डीएसओ गीतांजलि, विशेष कार्य पदाधिकारी विवेक सुमन, डीआईओ धनंजय कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री राहुल भारती, ट्रैफिक डीएसपी पूनम मिंज, डीईओ प्रबला खेस, समाज कल्याण पदाधिकारी सत्यबाला सिन्हा, कल्याण पदाधिकारी एस. एक्का, आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे, डीपीएम एनएचएम कंचन कुमारी आदि सभी विभागों के लोग मौजूद रहे।

गांवों में प्रतिभा की कमी नहीं, निखारने की जरूरत : अनिल

बोकारो : जरीडीह बस्ती स्थित कपसा बाबा के समीप स्व. सुभाष महतो मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया। जिला परिषद सदस्य ओमप्रकाश सिंह, अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सह झामुमो नेता अनिल अग्रवाल ने संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इसके बाद बल्लेबाजी कर इस आयोजित टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश सिंह, अनिल अग्रवाल ने कहा कि गांवों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। बस उसे निखारने की जरूरत है। इस मैच में अंपायरिंग रितेश पंसारी और ब्रिजेश पटवा ने की। वहीं, पहले बैटिंग करते हुए ढोरी इलेवन ने 12 ओवर में 132 रनों का लक्ष्य दिया। जूनियर गोमिया इलेवन 3 विकेट शेष रहते हुए इस मैच पर विजय पाई। स्कोरर की भूमिका विक्की श्रीवास्तव और कमेंट्री की भूमिका शशि श्रीवास्तव और छोटू ने निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीताराम महतो, विभास महतो, कमली देवी, शशि श्रीवास्तव, आशुतोष श्रीवास्तव, शशि महतो, सोनू सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण बोकारो स्टील प्लांट में 'लर्न फ्रॉम ईच अदर' नामक कार्यक्रम आयोजित

एक-दूसरे से सीखना कौशल-विकास में सहायक : अमरेंदु

संवाददाता

बोकारो : बोकारो निवास के कोंफ्रेस हॉल में बीएसएल के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा सेल के विभिन्न संयंत्रो के अधिकारियों के लिए 'एक्सलेरेटिंग स्किल डेवलपमेंट थ्रू रिकोग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) एंड अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग' विषय पर लर्न फ्रॉम इच अदर (एलईओ) नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश, अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) संजय कुमार, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं), सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (माइंस), जयदीप दास गुप्ता, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन), दुगार्पुर इस्पात संयंत्र, आर मुनिराजू, अधिशासी निदेशक (एचआरडी-एमटीआई) संजीव कुमार सहित बीएसएल के विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक उपस्थित थे। आरम्भ में अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) संजय कुमार ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने आरपीएल एवं अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा इन दोनों ही प्रशिक्षणों को गवर्नमेंट के गाइड लाइंस के अनुसार पालन करने की सन्देश दिया। कहा कि एक-दूसरे से सीखना कौशल के विकास में सहायक है। इस दौरान महाप्रबंधक (कारपोरेट एचआरडी) संजय उपाध्याय ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सेल के सभी संयंत्रो मे हो रहे आरपीएल एवं अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग से जुड़े गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रतिभागियों ने सामूहिक विचार मंथन कर एक्शन प्लान बनाया तथा उसका प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम का संचालन वरीय प्रबन्धक (मासंवि) अमित आनंद ने, प्रोग्राम ब्रीफिंग महाप्रबंधक (मासंवि) नीता बा तथा धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (मासंवि) देवाश्री टोप्पो ने किया।

हफ्ते की हलचल

रामानुजन की जीवनी से बच्चे लें प्रेरणा : अभिनव

बोकारो : सेक्टर-2ए स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में राष्ट्रीय गणित दिवस धूमधाम से मनाया गया। इसमें एलकेजी के छोटे-छोटे नौनिहालों से लेकर कक्षा दशम तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय में शिशु, बाल, किशोर वर्गों में कई प्रतियोगिताएं कराई गई। गणित प्रश्नोत्तरी, रंगोली प्रतियोगिता, गणित के दौड़, भारत के प्राचीन गणितज्ञों की चित्र प्रदर्शनी एवं जीवन-परिचय के साथ-साथ श्रीनिवास रामानुजन की संपूर्ण जीवन की गौरव-गाथा पर बच्चों ने अपनी बात साझा की। नवम एवं दशम की छात्राओं ने गणित की दो अलग-अलग एकांकी एवं श्रीनिवास रामानुजन की जीवन-गाथा पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर बीएसएल के जनसंपर्क पदाधिकारी अभिनव शंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मंच पर समिति की ओर से ट्रस्ट के प्रतिनिधि एवं पूर्व प्राचार्य शिव कुमार सिंह बच्चों हौसला अफजाई के निमित्त उपस्थित थे। प्राचार्य संजीव कुमार सभी आगंतुक अतिथि एवं कार्यक्रम की रूपरेखा में सहयोग करने वाले आचार्यों का परिचय कराया। मुख्य अतिथि श्री शंकर ने कहा कि रामानुजन जैसे महापुरुष भारत की धरोहर रहे हैं। बच्चों को उनकी जीवनी से प्रेरित होने की जरूरत है। इस अवसर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया।

अधिकारियों ने दौड़ लगाकर दिया नशामुक्ति का संदेश

बोकारो : बोकारो को नशामुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन की पहल पर बोकारो से 'नो टू ड्रग्स' थीम पर 10 किलोमीटर वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। वॉकाथान की शुरुआत बोकारो हवाई अड्डा से हुई, जो बोकारो स्टील सिटी क्षेत्र के राम मंदिर, पत्थरकट्टा चौक, बोकारो मॉल, सेक्टर-4 गांधी चौक, बीएसएल एडीएम बिल्डिंग, सेक्टर-3, राम मंदिर, सर्किट हाउस बोकारो, तिरंगा पार्क होते हुए कैंप टू स्थित डीसी कार्यालय पहुंच समाप्त हुई। मौके पर पुलिस अधीक्षक चंदन झा ने कहा कि जिला प्रशासन ने 'बोकारो सेज नो टू ड्रग्स' थीम पर लोगों में जागरुकता के लिए 10 किमी वॉकाथॉन का आयोजन किया गया, ताकि आमजन जागरूक होकर नशे की लत का त्याग करें, युवा वर्ग जो किसी कारण भटक गये हैं, वह नशे का त्याग कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो। मौके पर सीआरपीएफ कमांडेंट कमलेंद्र प्रताप सिंह, डीडीसी कीर्तिश्री, चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अपर समाहर्ता सादात अनवर, मुख्यालय डीएसपी मुकेश सिन्हा, एसडीपीओ चास पुरुषोत्तम कुमार, जिला जन संपर्क पदाधिकारी राहुल भारती, सिटी डीएसपी कुलदीप कुमार, जिला पशुपालन पदाधिकारी डा. मनोज कुमार मणि, ट्रैफिक डीएसपी पूनम मिंज, जिला खेल पदाधिकारी मारकस हेंब्रम, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार, विभिन्न विभागों के कर्मी, पुलिस जवान व आमजन आदि मौजूद थे।

सकारात्मक बदलाव के लिए शिक्षा जरूरी : अमरदीप

बोकारो : उत्क्रमित मध्य विद्यालय, आजाद नगर मेंसम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संत जेवियर्स स्कूल1980 बैच के पूर्व छात्र नवल सहगल व कुमार अमरदीप ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। नवल सहगल ने कहा कि आज के दौर में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास आवश्यक है, इसलिए इस दिशा में सकारात्मक काम करना चाहिए। कठिन परिश्रम व लगन से जीवन में सफलता मिलेगी। इसलिए बच्चों को लक्ष्य हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कुमार अमरदीप ने कहा कि शिक्षा के सहारे विद्यार्थी जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। इसलिए विद्यार्थी को शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में शिक्षा ग्रहण करना चाहिए। समय का सदुपयोग करना चाहिए। समाज व देश में सकारात्मक बदलाव शिक्षा से ही संभव है। प्राचार्य वीरेंद्र प्रसाद ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान शिक्षा, खेलकूद, शत-प्रतिशत उपस्थिति व अन्य गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

सम्मेलन में सेवानिवृत कर्मियों के सुविधा-विस्तार की मांग

बोकारो : स्थानीय सिटी पार्क में सेल रिटायरकर्मी सेवा संघ का मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने की तथा संचालन संघ के महासचिव अशोक कुमार सिंह ने किया। सम्मेलन में मुख्य रूप से संघ के संरक्षक तथा धनबाद सांसद के प्रतिनिधि भैया आरएन ओझा व बोकारो विधायक के प्रतिनिधि सुनील मोहन ठाकुर उपस्थित रहे। भैया आरएन ओझा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए रिटायर्ड कर्मी को बोकारो स्टील प्लांट का आधार बताते हुए सेल प्रबंधन को उनकी सुविधा विस्तार पर ध्यान देने का आग्रह किया। बोकारो विधायक प्रतिनिधि सुनील ने कहा कि बोकारो विधायक नगर के चहुमुखी विकास में दिन रात मेहनत कर रहे हैं और किसी कीमत पर रिटायर कर्मी को नहीं भुला सकते, जिन्होंने दो-दो बार बोकारो का विधायक बनाया। मौके पर छोटे लाल, विनोद बिहारी प्रसाद, डीके झा, मनोज कुमार, संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

अपने ही जवाबों के शिकंजे में फंसे अनूप

कैशकांड... ईडी ने बेरमो विधायक से की पूछताछ

देवेन्द्र शर्मा

रांची : कोलकाता कैशकांड के किंगपिन माने जाने वाले कांग्रेस के बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जाल में घिरते नजर आ रहे हैं। अपने ही जवाबों पर वह ईडी के सवालों में फंसते दिख रहे। शनिवार को ईडी के रांची मुख्यालय में कांग्रेस के बेरमो विधायक अनूप सिंह से कैशकांड को लेकर अधिकारियों ने लम्बी पूछताछ की। ईडी अनूप से यह जानना चाह रही थी कि कांग्रेस के तीन विधायक जो बंगाल में भारी नकदी के साथ गिरफ्तार हुए थे, उनमें अनूप सिंह क्या साथ थे? विधायक के साथ अनूप असम गये थे। उन्हे कैसे, कब और कहां प्रलोभन दिया गया था। उन्हें क्या प्रलोभन की राशि प्राप्त हुई थी, कितनी राशि कब-कब किसने दी। अनूप पर ईडी ने लगातार सवालों की बौछार लगा दी।

सूत्रों का कहना है कि अनूप ने ईडी के सवाल पर जो जवाब दिया, उससे वह खुद घबराए दिखे। अधिकतर सवाल पर अनूप शान्त ही रहे। उन्होंने ईडी को यह बताने का प्रयास किया कि विधायकों ने उन्हें यह ऑफर देकर प्रलोभन देने का प्रयास किया था। किसी पार्टी के किसी नेता ने सीधे उनसे यह ऑफर नहीं दिया था। ईडी ने अनूप से यह जानने का प्रयास किया कि जब विधायक ने पहले ही यह ऑफर दिया था तो उन्होने एफआईआर उनकी गिरफ्तारी के बाद किस उद्देश्य को लेकर कराई, पहले प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई। क्या कानून की नजर में बचने के लिए यह किया। सूत्रों का कहना है कि अनूप अपने दिये जवाब में उलझ रहे थे। ईडी के प्रश्न का अनूप हां या ना के रूप में जवाब दे रहे थे।

ईडी ने उनके आय-व्यय को लेकर भी प्रश्न किया। अनूप से यह जानने का प्रयास किया कि अनूप कांग्रेस के तीनों विधायक, जो बंगाल में गिरफ्तार हुए थे, उनके विरुद्ध रांची में जो एफआईआर की गई, उसका उद्देश्य क्या था। ईडी ने यह बार-बार प्रश्न किया कि सरकार के विरुद्ध साजिश रचने वाले विधायकों के साथ उनका सम्बन्ध कैसा है। क्या उन्होंने जीरो एफआईआर किसी के कहने पर कराई थी या खुद अपनी समझ पर कराई थी। सूत्रों का कहना है कि ईडी पुनः अनूप से इस सम्बन्ध में पूछताछ कर सकती है।

मालूम हो कि झारखंड में सरकार को गिराने की साजिश से जुड़े मामले में बंगाल में कांग्रेस के तीन विधायक फुरकान अंसारी, राजेश कच्छप और नमन विक्सल कोंगाड़ी को 48 लाख रुपए के साथ गिरफ्तारी के बाद एक दिन बाद विधायक अनूप सिंह के द्वारा स्थानीय अरगोड़ा थाने में जीरो प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी और यह कहा गया था कि तीनो विधायक के द्वारा उन्हें भी प्रलोभन और दबाव दिया जा रहा था। ईडी के द्वारा इस प्रकरण में संज्ञान लेने के उपरांत 16 दिसंबर को समन जारी किया गया था। शनिवार को ईडी ने अनूप को इसी मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। इस प्रकरण में अनूप का नाम जमकर आया था। चर्चा यह थी कि अनूप इस कांड के किंगपिन थे। ईडी मुख्यालय जाते समय अनूप विचलित नजर आ रहे थे। ईडी मुख्यालय में सुरक्षा के प्रबंध थे। अनूप अपनी गाड़ी से ईडी मुख्यालय तक गये, परन्तु मुख्यालय से पहले गाड़ी से उतरकर पैदल कार्यालय में अकेले प्रवेश किया। उनके समर्थक मुख्यालय के बाहर दिन भर खड़े देखे गये।

सूत्रों का कहना है कि ईडी ने अनूप सिंह से आय-व्यय के साथ-साथ चल अचल की सम्पति का ब्यौरा मांगा है। सूत्रों का कहना है कि ईडी अनूप से पुनः पूछताछ कर सकती है।

इधर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ खेमाबंदी

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के एक गुट ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के खिलाफ उनके गृह जिला बोकारो से विरोध का बिगुल फूंक दिया है। इस गुट का यह भी मानना है कि राजेश ठाकुर एक भी दिन अध्यक्ष पद पर रहना कांग्रेस के लिए घातक सिद्ध होगा। उन्होंने नारा दिया कि वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष को हटाओ कांग्रेस बचाओ। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के विरोधी गुट का नेतृत्व कर रहे आलोक कुमार दुबे ने मीडिया से बातचीत के क्रम में कहा कि राजेश ठाकुर आरपीएन सिंह के इशारे पर काम कर रहे हैं। भाजपा में जाने से पहले आरपीएन सिंह ने राजेश ठाकुर को झारखंड प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनवाया था। इनका एक ही मकसद है झारखंड में कांग्रेस को नेस्तनाबूद करना। श्री दुबे ने आरोप लगाया कि राजेश ठाकुर भाजपा के संपर्क में है। भाजपा के इशारे पर आज से 4 माह पहले झारखंड सरकार गिराने की कोशिश भी कर चुके हैं। श्री दुबे ने राजेश ठाकुर पर एक के बाद एक गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को समाप्त करने के इरादे से ही राजेश ठाकुर ने झारखंड में जिला कमेटी से अल्पसंख्यको की छुट्टी कर दी। प्रदेश अध्यक्ष का एक-एक कदम कांग्रेस को समाप्त करने के इरादे से रखा जा रहा है। श्री दुबे ने कहां कि कॉंग्रेस को झारखंड से उखाड़ फेंकने के इरादे से ही समर्पित कार्यकताओं और पदाधिकारियों को जिला और प्रदेश में कोई जिम्मेवारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि झारखंड की वस्तु स्थिति से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराया जाएगा और तत्काल छुट्टी कराने की कोशिश की जाएगी। महासचिव राजेश गुप्ता ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर में कांग्रेस के प्रति किसी तरह की कोई निष्ठा नहीं दिखाई पड़ती है। कांग्रेस सभी जाति धर्म को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है जबकि प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जिला अध्यक्ष और प्रदेश के पदाधिकारियों की सूची जारी की गई उसमें कांग्रेस की नीति सिद्धांत का ध्यान नहीं रखा गया।

झारखंड के स्पाइन विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र हाजरा को मिला आयुष गौरव सम्मान

विशेष संवाददाता

रांची : स्पाइन चिकित्सा के क्षेत्र में झारखंड को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाने वाले डॉ. राजेंद्र कुमार हाजरा की उपलब्धियों में एक और नया अध्याय जुड़ गया है। डॉ. हाजरा आयुष गौरव सम्मान से

नवाजे गए हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज सिविल लाइन स्थित होटल अजय इंटरनेशनल में संजीवनी वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयुष गौरव सम्मान 2022 समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इसमें देशभर से पहुंचे 100 से अधिक आयुष चिकित्सकों को राष्ट्रीय आयुष गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इनमें झारखंड से एक्यूपंक्चर चिकित्सा के क्षेत्र में राज्य की पहचान बन चुके डॉ. हाजरा भी शामिल रहे। इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ. हाजरा ने कहा कि उनकी ओर से जनसेवा का प्रयास आगे भी जारी रहेगा। ये उपलब्धियां लोगों के स्नेह का ही परिणाम हैं।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में डॉ. हाजरा का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल हुआ था। उन्हें 'बेस्ट वर्ल्ड क्लास एक्यूपंक्चर स्पाइन स्पेशलिस्ट ऑफ द ईयर 2022' का खिताब गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से प्रदान किया गया था। डॉ. हाजरा ने इस उपलब्धि के लिए अपने परमपूज्य सद्गुरुदेव डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली, अपने माता-पिता और मरीजों के साथ-साथ सभी मित्रों के सहयोग को दिया है। डॉ. हाजरा विश्व के एक्यूपंक्चर साइंस के ऐसे पहले चिकित्सक हैं, जो इस पद्धति से एकमात्र स्पाइन से संबंधित रोगों की चिकित्सा करते हैं। देश के साथ-साथ विदेशों के मरीज भी इनसे चिकित्सा सेवा लेते हैं। डॉ. हाजरा अभी तक लगभग 450 से भी अधिक राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किए गए हैं। साथ ही इन्हें ऑनरारी कॉज के लिए तीन-तीन बार मानद पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। द अमेरिकन यूनिवर्सिटी यूएसए ने मानद पीएचडी इन एक्यूपंक्चर साइंस प्रदान किया है, जो द अमेरिकन यूनिवर्सिटी (यूएसए) द्वारा भारत में पहली बार किसी एक्यूपंक्चर चिकित्सक को दिया गया है। डॉ. हाजरा वर्तमान में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सदस्य हैं। देश-विदेश के चिकित्सक इनसे एक्यूपंक्चर साइंस की प्रशिक्षण लेने आते हैं। साथ ही डॉ. हाजरा, महात्मा गांधी ग्लोबल पीस यूनिवर्सिटी के मानद प्रोफेसर हैं।

इतना ही नहीं, प्रतिष्ठित एक्यूपंक्चर विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र कुमार हाजरा को विश्व के सबसे बड़े आयुष चिकित्सकों के संगठन इंटरनेशनल आयुष मेडिकल एसोसिएशन (आईमा) का इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट भी उन्हें बनाया है। वर्तमान में डॉ हाजरा इंटरनेशनल आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। डॉ नितिन राजे पाटिल, वॉइस चेयरमैन इंटरनेशनल ने इनके नाम का अनुमोदन कर सर्वसम्मति से इन्हें इस पद पर नियुक्त किया है। डॉ हाजरा इंटरनेशनल आयुष मेडिकल एसोसिएशन के साथ विश्व में एक्यूपंक्चर के विकास हेतु प्रतिबद्ध हैं। इन्हें वर्ष 1997 में जैक के उपाध्यक्ष सांसद सूरज मंडल के हाथों 'एक्यूपंक्चर भीष्म सम्मान' से सम्मानित किया गया था। इसके साथ ही ये अनगिनत सम्मान से सम्मानित होते रहे हैं।

ब्रजेश बने जनकपुर रोड नगर परिषद के प्रथम सभापति

पुपरी : जनकपुर रोड नगर परिषद के प्रथम सभापति का पद प्राप्त करने का गौरव ब्रजेश कुमार जालान ने प्राप्त किया है। ब्रजेश ने 1367 मतों से जीत दर्ज की। उन्हें कुल 5219 वोट मिले। दूसरे स्थान पर रहे उनके निकटतम प्रतिद्वंदी इसरारुल हक पप्पू को 3852 मत मिले। तृतीय स्थान पर रहीं मीना देवी को 2954 ने वोट हासिल किया। पुपरी के अनुमंडल पदाधिकारी नवीन कुमार ने जनकपुर रोड नगर परिषद के प्रथम निर्वाचित सभापति का प्रमाणपत्र श्री जालान को सौंपा। सिटीजन फोरम ऑफ पुपरी परिवार ने पुपरी के सर्वांगीण विकास की कामनाओं सहित श्री जालान को बधाई दी है।

मिथिला डायरी

मुफ्त ऑपरेशन के लिए नेत्र-जांच शिविर 8 को

पुपरी : बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की पुपरी शाखा के सौजन्य से एक बार फिर मोतियाबिंद रोगियों का निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। इसके लिए आगामी 8 जनवरी 2023 (रविवार) को पुपरी स्थित जालान मंदिर के प्रांगण में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के लिए संबंधित मरीज आगामी 06 जनवरी तक अपना निबंधन करा सकते हैं। किसी भी तरह की पूछताछ के लिए इच्छुक व्यक्ति संयोजक निखिल कुमार (9771791990) और सह-संयोजक संतोष जालान (8541841818) से संपर्क कर सकते हैं।

ईश्वरीय कृपा से ही संभव है भाग्योदय

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

'समय से पहले और किस्मत से ज्यादा नहीं मिलता है।
देने वाला जब भी देता है,
छप्पड़ फाड़ के देता है।'

इन मुहावरों को हमने बचपन से सुना है और यह मान लिया है कि प्रारब्ध मनुष्य के जीवन में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जब तक भाग्य या प्रारब्ध का साथ नहीं होगा, मनुष्य चाहे कितना भी प्रयास कर ले, उसे सफलता नहीं मिलेगी। बिना सफलता के जीवन अर्थहीन लगता है। अतः प्रत्येक साधक जो गुरु के समीप आता है तो उसकी इच्छा होती है कि गुरु उसका भाग्य उदय करें। उसकी रूठी हुई किस्मत उस पर मुस्कुरा दे और वह जिन प्रयोजनों को सार्थक करना चाहे, वह उसके लिए सुगम और संभव हो। साधक के जीवन को उन्नति की ओर ले जाने में भाग्योदय निर्णायक भूमिका में है। मगर पहले यह जान लिया जाए कि क्या आपने भाग्य को सही समझा है?

भाग्य आपके संचित कर्मों की जमा राशि है। पतंजलि कहते हैं-

सति मूले तद्विपको जात्यायुर्भोगाः

जब तक कर्माशय का मूल विद्यमान है, वह फलता-फूलता और व्यक्ति को जन्म देता है। उसकी जीवनावधि, श्रेणी तथा अनुभवों का निर्धारण करती है। कर्माशय जीवन वृक्ष में मूल की तरह कार्यरत है। जब तक मूल विद्यमान है, पुनर्जन्म का चक्र चलेगा। जैसे फल एवं वृक्ष में अटूट चक्र है, उसी प्रकार कर्म एवं जीवन चक्र आपस में जुड़े हुए हैं। आपके जीवन में संचित संस्कार कर्माशय से आते हैं। यह एक प्रकार का फिक्स्ड डिपॉजिट होता है। संस्कार के भेद के कारण ही किसी व्यक्ति की प्रवृत्ति संत, महात्मा जैसी होती है और किसी की प्रवृत्ति दुष्ट जैसी।

दूसरा कर्मों का भंडार होता है, जो नए कर्मों को जन्म देता है। यह वर्तमान कर्म है, जो कुछ समय बाद संचित कर्म का हिस्सा बनते हैं। इसे आप प्रतिक्रिया समझ सकते हैं। अर्थात प्रत्येक परिस्थिति में आप किस प्रकार प्रतिक्रिया करेंगे, यह आपके कर्मों की श्रृंखला को निर्धारित कर रहा है।

तीसरा एवं सबसे महत्वपूर्ण प्रारब्ध है। ये कर्म वर्तमान जीवन में अभिव्यक्त होते हैं तथा कर्म भंडार से निकल जाते हैं। प्रारब्ध पर आपका नियंत्रण अधिकतर नहीं होता है। दरअसल, आपका जन्म प्रारब्ध द्वारा पूर्व निर्धारित होता है। इसे आप ईश्वरेच्छा या समझें, जिसमें समझौता या गुणा-भाग, जोड़-तोड़ की संभावना बहुत कम है।

आमजन प्रारब्ध को भाग्य समझ लेते हैं। इस कारण भाग्य को लेकर सशंकित भी रहते हैं और डरे हुए भी, क्योंकि उन्हें लगता है कि भाग्य पर उनका कोई कंट्रोल नहीं है। यह सही भी है और गलत भी। सही, क्योंकि उस परमात्मा, उस सत्ता, उस ब्रह्म, जिसे राम, कृष्ण, शिव, शक्ति आदि नामों से संबोधित किया गया है, उसके सामने मनुष्य बहुत लघु है, अत्यंत क्षुद्र। स्वयं देवता भी कई बार प्रारब्ध के सामने नतमस्तक हो जाते हैं।

रामचरितमानस में तुलसी लिखते हैं-

होईहैं सोहि जो राम रचि राखा
को करि तर्क बढ़ावै साखा

जब सती सीता का वेश धरकर भगवान श्रीराम की परीक्षा लेने गईं तो शिव सोचते हैं कि होगा वही, जो भगवान श्रीराम ने तय किया है, तर्क करके या बुद्धि लगाकर कुछ भी हासिल नहीं होगा।

पश्चिम बंगाल में महाकाली से प्रार्थना के अंत में समर्पण को अभिव्यक्त करते हुए कहा जाता है-

शकलि तोमारी इच्छा, इच्छा
मोयि तारा तुमि

हे महाकाली! हर जगह तुम्हारी इच्छा है, मेरी इच्छा तुम्हारी इच्छा से मिल जाए, अर्थात मेरा मन ऐसा कर दो कि जो तुमने मेरे लिए तय किया है, उसमें मेरा स्वीकार मिल जाए।

पश्चिम इसे Go with the flow (गो विथ द फ्लो) कहता है। अर्थात जीवन का साथ निभाना। यहां प्रारब्ध या भाग्य भयंकर भूमिका में दिखाई देता है, कठोर और दयाहीन। ऐसे प्रारब्ध के लिए कहा गया है-

इहां न लागे राऊर माया

अर्थात दुःख, तकलीफ देखकर प्रारब्ध फिसलने वालों में से नहीं है। जैसे आधा भरा गिलास भी आधा खाली नहीं होता है। जहां खाली दिखता है, वहां भी हवा उपस्थित है। बंद घड़ी भी दिन में दो बार सही समय बताती है। उसी प्रकार नियति या प्रारब्ध भाग्योदय से बदला जा सकता है। सकल रामायण में तीन लोगों का भाग्योदय स्पष्ट तौर पर दिखाई देता है,

वे हैं-

अहिल्या, सुग्रीव और विभीषण।

गौतम मुनि की पत्नी अहिल्या के साथ छल से इंद्र ने संबंध स्थापित कर दिया था। निर्दोष अहिल्या पति के शाप से पत्थर बन गई और वर्षों तक प्रतीक्षारत रही कि कोई राम आए और उसका उद्धार करे। तुलसी लिखते हैं-

गौतम नारि श्राप बस उपल देह धरि धीर
चरन कमल रज चाहति कृपा करहुं रघुवीर

अहिल्या धैर्यपूर्वक प्रभु की प्रतीक्षा कर रही थी। यहां सोचने की बात है कि क्या वह वास्तव में पत्थर हो गई थी या फिर पति के तिरस्कार के बाद समाज से तिरस्कृत होकर उस अपराध के लिए, जो उसने किया नहीं, जड़वत हो गई थीं।

अहिल्या का उद्धार श्रीराम ने किया। तुलसी ने इस पल की गरिमा को **बड़भागी** शब्द में संजोया है। यानी भगवान का सुमिरन करने से भगवान कृपा करते हैं, परंतु सुमिरन करना होगा अहिल्या की तरह। प्रारब्ध को बदलने की शक्ति कृपा में है। भाग्योदय ईश्वरीय कृपा से ही संभव है। इस स्थान पर कृपा को समझना होगा।

कृपा दो प्रकार की हैं- साधारण कृपा एवं विशेष कृपा। साधारण कृपा से कर्म कटता है, भोग कटता है, परंतु विशेष कृपा से भाग्य बदलता है, भाग्य उदित होता है, प्रारब्ध ही बदल जाता है और एक प्रकार का नया कर्म घटित होता है, जो जीवन की उन्नति प्रदान करता है।

भाग्योदय तो सुग्रीव का भी हुआ। बड़े भाई बालि से प्रताड़ित होकर जो सुग्रीव वन-वन घूम रहे थे, उनके शत्रु का श्रीराम ने वध किया। श्रीराम सुग्रीव से कहते हैं कि- अंगद सहित तुम राज्य करना एवं मेरे कार्य का ध्यान रखना।

अंगद सहित करहुं तुम्ह राजू।
संतत हृदय धरेहु मम काजू।
-किष्किन्धाकांड

यहां भी भाग्योदय हुआ है, परंतु इस भाग्योदय एवं अहिल्या के भाग्योदय में अंतर है। अहिल्या का भाग्योदय उनकी भक्ति का परिणाम था और सुग्रीव का भाग्योदय हनुमान के कारण हुआ। प्रारब्ध की योजना में अर्थात लंका विजय हनुमान के बिना संभव नहीं थी और हनुमान सुग्रीव के अनुचर थे।

यह कुछ ऐसा ही हुआ, जैसे एक सपूत कुल में उत्पन्न होता है तो सारे कुल का उद्धार हो जाता है। यहां पर सुग्रीव का भाग्योदय प्रारब्ध जनित है, भक्ति जनित नहीं। परंतु विभीषण का भाग्योदय भक्ति से अनुप्राणित है।

जो संपति सिव रावनहि दीन्हिं
दिएं दस माथ।
सोइ संपदा विभीषनहिं सकुचि
दीन्हि रघुनाथ।।

किस प्रकार भगवान जब भक्त पर पसीजते हैं, जब उसे अपने अनुग्रह, अनुकंपा का अधिकारी समझते हैं, यह क्षण भाग्योदय है और इसे प्राप्त करने के लिए ईश्वर से स्वार्थ मुक्त होकर मन लगाना पड़ता है। सौदेबाजी नहीं कि यह कर दीजिए तो यह करूंगा।

सुर नर मुनि सब के यह रीति
स्वारथ लागि करहिं सब प्रीति

शक्ति को शिव समझाते हुए कहते हैं कि जहां हर कोई स्वार्थ के लिए प्रीति करते हैं, वही प्रभु श्रीराम स्वार्थ मुक्त प्रेम करते हैं। प्रभु का प्रेम भाग्योदय दिला सकता है। इसलिए भक्ति, श्रद्धा, आस्था, विश्वास जैसे तत्व बहुत मायने रखते हैं, क्योंकि इनके आधार पर भाग्योदय निर्धारित होता है।

कर्म फल तो निश्चित और निर्धारित है। उसमें फेरबदल करने की गुंजाइश सिर्फ कृपा में ही है।

कैसे मिलेगी कृपा

जो रुदन करता है, उसे कृपा मिलती है और रुदन को सुमिरन समझें और सुमिरन यानी स्मरण। तो आजकल के शायर कहते हैं-

ग़ालिब ने यह कह कर तोड़ दी तस्बीह
गिनकर क्यों नाम लूं उसका
जो बेहिसाब देता है

भक्त एवं भगवान के बीच आपस में तड़प होनी चाहिए। तड़प के लिए प्रेम चाहिए, सौदेबाजी नहीं कि यह हो जाएगा तो वह करूंगा। अहिल्या का प्रेम, विभीषण की भक्ति, जिसके लिए गुरु कृपा आवश्यक है। गुरु कृपा के बिना जीवन परिवर्तित नहीं होता है। ज्ञान के बिना भक्ति नहीं होती है एवं कर्म के बिना ज्ञान नहीं होता है। इसलिए जिसे भाग्योदय करना है, उसे कर्म करना होगा। कर्म करने से मन में छुपे भाव सामने आते हैं। इसके बाद ज्ञान का जागरण होता है। ज्ञान जागृत होने के बाद जान जाते हैं कि जीवन को परिवर्तित करने के लिए भक्ति अनिवार्य है। गुरु के शरणागत हुए बिना भक्ति नहीं मिलती और बिना भक्ति के भाग्योदय नहीं होता है। अहिल्या की तरह भाग्योदय चाहिए तो गुरु का सुमिरन प्रत्येक क्षण करते रहिए।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। कार्यों में सरलता से पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। स्वास्थ्य में कुछ सुधार होंगे। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। शत्रु पराजित होंगे। मित्रों से मुलाकात होगी।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) - स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों में पड़ सकते हैं। राज्य की ओर से परेशानी हो सकती है। पारिवारिक जीवन में थोड़ी गर्मी रह सकती है। भाग्य का साथ नही मिलेगा। सप्ताहांत तक जाते-जाते कुछ अच्छा होगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। वाणी पर संयम रखें। गैस एवं अपच की समस्या हो सकती है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगा। सप्ताहांत तक राज्याधिकारियों से मुलाकात का योग बन सकता है। धन प्राप्ति के योग बन सकते हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - तनावपूर्ण जीवन से तौबा करें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धन लाभ होगी। लाभदायक यात्रा हो सकती है। भाइयों बन्धुओं से सामंजस्य बनाकर चलें। सोचे हुए कार्यों में सफलता प्राप्त हो सकती है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। घर में सुखपूर्वक जीवन व्यतीत होंगे। नए कार्यों को अंजाम देने का समय चल रहा है। पदोन्नति या व्यवसाय में वृद्धि होगी। फिजूल-खर्ची से बचें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - पेट सम्बन्धी समस्याओं से बचें। कुटुंब मिलेंगे। सेवा करने का मौका मिलेगा। कार्यों में असफलता प्राप्त हो सकती है। शत्रुओं पर आसानी विजय प्राप्त हो सकती है। पराक्रम में बढ़ोतरी होगी।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - स्वस्थ महसूस कर सकते हैं। धार्मिक करें लाभ प्राप्त होंगे। चित्त में चंचलता रहेगी। नवीन कार्यों के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता के योग बनेंगे। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। सुख-आनन्द की प्राप्ति हो सकती है।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) - स्वास्थ्य में सुधार। लाभ के योग बन रहे हैं। उच्चाधिकारियों से अनबन हो सकती है। स्थान परिवर्तन का योग बन रहा है। पूर्व के स्थितियों में काफी परिवर्तन होंगे। भाग्य साथ देने वाला है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - पेट सम्बन्धी समस्याओं से जूझेंगे। यात्रा से लाभ होंगे। वाणी पर संयम रखें लाभ होगा। साहस में बढ़ोतरी होगी। शत्रुओं पर आसानी से विजय प्राप्त करेंगे।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - सिरदर्द सम्बन्धी समस्या हो सकती है। कुटुम्बों से रिश्तों को बनाकर चलें। नेत्र पीड़ा हो सकती है। विद्या की हानि हो सकती है। सज्जनों एवं उच्चराज्यधिकारियों से मुलाकात होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - रोग से मुक्ति मिलेगी। उत्तम भोजन, वस्त्र और शय्या-सुख की प्राप्ति होगी। उपहारादि धन की प्राप्ति होगी। नीच कर्म वाले और दुष्ट लोगों से मुलाकात हो सकती है। सिर और नेत्र में पीड़ा हो सकती है।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सन्तान सम्बन्धी तनाव हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। मित्रों एवं सम्बंधियों से रिश्ते बनाने की कोशिश करें। अकारण यात्रा करनी पड़ सकती है।

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें- 7808820251

मालवाहकों की जीपीएस से अब होगी निगरानी

बीएसएल में व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत

संवाददाता

बोकारो : बीएसएल के स्टील गेट के समीप जीपीएस आधारित व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम का उदघाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी ने किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) अनिल कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम-3) वेद प्रकाश, मुख्य महाप्रबंधक (ट्रैफिक) एके झा, मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएं एवं ईएमडी) पीके बैसाखिया, मुख्य महाप्रबंधक (सी एवं आईटी) ए बंकिरा, मुख्य महाप्रबंधक (सी एवं ए तथा कम्युनिकेशन) बीके सरतापे, महाप्रबंधक प्रभारी (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलिकॉम) एस. गंगोपाध्याय सहित सी एवं ए, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकॉम, सी एवं आईटी, सीआईएसएफ अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जीपीएस आधारित व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम के माध्यम से संयंत्र में बाहर से आने वाली हेवी व्हीकल, संयंत्र के अन्दर चलने

वाले डोजर, डंपर तथा लोको के परिचालन पर निगरानी रखी जा सकेगी. हेवी व्हीकल, डोजर, डम्पर तथा लोको के लिए बने डैशबोर्ड में पूरे फ्लीट की स्थिति का समग्र दृश्य तथा फ्लीट का रियल टाइम डाटा के उपलब्ध होने से गति सीमा पर भी नजर रखी जायेगी। इसके अलावे संयंत्र के अन्दर लोको मूवमेंट की निगरानी तथा उसके लाइव स्थिति की जानकारी भी ली जा सकेगी। इस सिस्टम के जरिये सीआईएसएफ के पास भी प्लांट के अन्दर वाहनों के परिचालन की सटीक जानकारी उपलब्ध रहेगी। सीआईएसएफ द्वारा निर्धारित समय से अधिक समय तक प्लांट के अंदर रहने वाले वाहनों के लिए अलर्ट और रूट डायवर्जन पर निगरानी रखी जा सकेगी। जीपीएस आधारित व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम के लग जाने से संयंत्र के अन्दर इन वाहनों पर सीआईएसएफ द्वारा इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से नजर रखी जाएगी। यह प्रोजेक्ट बोकारो स्टील प्लांट में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और इंडस्ट्री 4.0 के तहत संपूरित किया गया है।

इधर, सिंटर प्लांट में नए फीडर्स की कमिशनिंग, आएगी बेहतरी

बीएसएल के सिंटर प्लांट के स्टॉक बिन्स में 33 नए फीडर्स की कमिशनिंग अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी तथा अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) सीआर महापात्रा की उपस्थिति में अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) संजय कुमार ने बुधवार को किया।इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (पावर फैसिलिटी) अलक साधू, मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) अनिल कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (आरएमएचपी) धनञ्जय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) एमपी सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एवं सीसी) राकेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट) बीके बेहरा, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) कुंदन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) वीके सिंह सहित अन्य विभागों के वरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। इन नए फीडर्स की कमिशनिंग हो जाने से सिंटर प्लांट के उत्पादन एवं उत्पादकता में समग्र रूप से बेहतरी आयेगी, नई तकनीक से प्रोसेस कंट्रोल भी बेहतर हो सकेगा तथा अनुरक्षण कार्यों में भी सहूलियत होगी।

कुड़मी को अनुसूचित जनजाति की सूची में सरकार करे शामिल : डॉ. लंबोदर महतो

संवाददाता

बोकारो : गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे व अंतिम दिन गैर सरकारी संकल्प लाकर भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत कुड़मी को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के लिए सदन के माध्यम से सरकार से मांग की। उन्होंने झारखंड विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 126 के तहत कहा कि यह सदन सरकार से अभिस्ताव करती है कि कुड़मी समुदाय की उत्पत्ति और बसावट का मूल क्षेत्र छोटानागपुर का पठार क्षेत्र ही है। कुड़मी जनजाति समुदाय के द्वारा जंगल साफ करके गांव बसा कर खेती करके जीवन निर्वहन करते हुए अपने पुरखों द्वारा गढ़े गए सांस्कृतिक एवं सामाजिक परंपराओं के अधीन यह समुदाय संचालित है। इसके तहत समुदाय के अपने 12 महीने के 13 परब हैं। उन्होंने कहा कि कुड़मी समुदाय की सांस्कृतिक एवं सामाजिक विशेषताएं एवं समुदाय की पारंपरिक व्यवस्था ही उसे समुदायों से भिन्न पहचान कराती है। कुड़मी समुदाय की सामाजिक संरचना गांव परगना एवं देश मडल देश मंडल स्तर पर बनी होती है। जिसमें महातअ, गढ़इत,पटवइ, परग नेइत , मडल तथा देसमडल आदि परंपरागत पदधारी लोग होते हैं। कुड़मी समुदाय के सभी अनुष्ठानों के

आयोजन का मुख्य अधिकारी नइआ/ देहरी/ पाहन ही होता है। कुड़मी समुदाय की जन्म संस्कार परिवारिक जनों तथा पुरखो द्वारा धारित विधियों से संपन्न होते हैं। कुड़मी समुदाय अभी तक मानव विकास की मुख्यधारा से बाहर है।

डॉ. महतो ने कहा कि इस राज्य में कुड़मी समुदाय सर्वाधिक आबादी वाला जनजाति है परंतु अभी तक अन्य जनजाति है, परंतु अभी तक अन्य जनजाति इस समुदाय से उच्च स्तरीय अधिकारी या संवेदक या बौद्धिक नहीं बन सके हैं। इनकी आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर है। कुड़मी समुदाय में जीवन निर्वाह का एकमात्र स्रोत कृषि कार्य ही है, जो पूर्णतया पारंपरिक एवं प्राकृतिक की दया पर निर्भर है। अतः कुड़मी समुदाय के युवा रोजी रोजगार की तलाश में यहां से पलायन कर जाते हैं।

घर बनाने के साथ अब जीते बंपर उपहार

डालमिया सीमेंट ने की पूर्वी भारत में 'डीएसपी हर घर हैप्पी ऑफर' की घोषणा

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : भारत की प्रमुख सीमेंट और डालमिया भारत लिमिटेड की सहायक कंपनी, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल) ने अपनी नई और रोमांचक पेशकश 'डीएसपी हर घर हैप्पी ऑफर' की घोषणा की है। पूर्वी क्षेत्र में डीसीबीएल की उपस्थिति को और भी अधिक मजबूत बनाते हुए डालमिया सीमेंट ने ग्राहकों के लिए उनके घरों के निर्माण को एक शानदार अनुभव बना दिया है। जैसे हर नई शुरुआत शुभकामनाओं और उपहारों के साथ होती है, उसी तरह डालमिया सीमेंट, भारतीय परंपरा को मानते हुए नए घर के साथ सभी ग्राहकों को खुशियों और ढेर सारे उपहारों की सौगात देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए, सभी ग्राहकों को निश्चित तौर पर पुरस्कार दिए जाएँगे और साथ ही साथ पूर्वी राज्यों के भाग्यशाली ग्राहकों को बाइक, टीवी और स्मार्टवॉच जैसे बंपर पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

कंपनी सूत्रों के अनुसार दिसंबर-मार्च को घर बनाने के लिए आदर्श समय माना जाता है, ऐसे में डालमिया सीमेंट का 'डीएसपी हर घर हैप्पी ऑफर' ग्राहकों को अपना घर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। घरों के निर्माण के विभिन्न

महत्वपूर्ण पहलुओं सहित प्री-कंस्ट्रक्शन से लेकर पोस्ट कंस्ट्रक्शन चरण तक डीसीबीएल अपनी वेबसाइट www.dalmiacement.com और हेल्पलाइन नंबर 18002020 के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। इसका कंज्यूमर प्रोमो 15 दिसंबर, 2022 से 15 फरवरी, 2023 तक बाजार में लाइव रहेगा।

डालमिया सीमेंट के 'डीएसपी हर घर हैप्पी' पर टिप्पणी करते हुए, डीसीबीएल के प्रवक्ता ने कहा, ''डालमिया सीमेंट, पूर्वी भारत में अग्रणी सीमेंट निर्माता है, जो कई शानदार प्रोडक्ट पेशकशों के माध्यम से बाजार में विशेष हिस्सेदारी रखती है। कई आकर्षक स्कीम्स और ऑफर्स के साथ कंपनी, अपने ग्राहकों को अपने व्यवसाय संचालन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। डीएसपी सीमेंट, डालमिया सीमेंट का प्रीमियम प्रोडक्ट है, जिसकी मांग बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा जैसे बाजारों में बहुत अधिक देखी गई है। कंपनी की यह नई पेशकश संभावित खरीदारों को न सिर्फ ब्रांड के प्रति प्रोत्साहित करेगी, बल्कि उनके बीच ब्रांड की पसंद को और भी अधिक मजबूत करेगी। हमारा लक्ष्य डालमिया डीएसपी वॉल्यूम में उल्लेखनीय वृद्धि करना, समग्र बिक्री में प्रीमियम ब्रांड्स के योगदान को बढ़ाने में मदद करना और ब्रांड में आवश्यक सुधार करना है।''

डीसीबीएल द्वारा ग्राहकों को लकी ड्रॉ प्राइजेस के अतिरिक्त, एक डफेल बैग भी पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाएगा। डफेल बैग का यह पुरस्कार प्रत्येक 100 डालमिया डीएसपी सीमेंट बैग्स की खरीद पर मान्य होगा। ग्राहक अपने निश्चित उपहार अधिकृत डीलर्स/ सबडीलर्स से डालमिया डीएसपी सीमेंट बैग्स खरीदने के पश्चात एकत्रित कर सकते हैं। ऑफर के बारे में अधिक जानकारी के लिए ग्राहक www.dalmiadspoffer.com पर जा सकते हैं।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में सब मिला-जुला है
घासों का मैदान खुला है
जंगल में टीले और खाई
कहीं ढ़ाल है, कहीं चढ़ाई
विविध रूप धरती का सुंदर
पाकर जंगल मुग्ध, मगन साभार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में अनगिनत पेड़ हैं
युवा, वृद्ध, शिशु और अधेड़ हैं
इनके साथ लताएँ, झाड़
बाँसों-घासों का अम्बार
जाति-प्रजाति अनेक सभी की
दैव-विविधता टेके यह संसार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल (क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

पेज- एक का शेष

सुरक्षा में अनदेखी की...

जिस स्थान पर काम हो रहा था वहां पर सुरक्षा मानकों की काफी अनदेखी पहले से ही नजर आ रही थी, जिसकी जानकारी ठेका कंपनी को दी थी। उसके बाद भी प्लांट के अंदर उनसे काम लिया जा रहा था। इसके कारण हादसा हो गया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

फिर महामारी का दहशत

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : चीन के वुहान लैब से निकली महामारी कोरोना एक बार फिर खुद चीन समेत दुनिया भर में अपना पांव पसारती जा रही है। चीन के साथ-साथ दुनिया में खासकर एशिया, यूरोप समेत कई देशों में कोरोना के मामले में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है इस बार इसका बी-7 वैरिएंट काफी ज्यादा खतरनाक माना जा रहा है, जिसके लक्षण भी पहले की तरह नहीं हैं। महामारी की इस आग में जहां चीन खुद धधक रहा है, वहीं इसकी आंच भारत में भी दिखने लगी है, जिसे देखते हुए भारत सरकार ने गाइडलाइन भी जारी कर दी है। मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग आदि को अनिवार्य कर दिया गया है। आनेवाले दिनों में परिस्थिति के अनुसार गाइडलाइन में सख्ती भी लाई जा सकती है। विदेशों से आनेवालों पर खास नजर रखी जा रही है। कुल मिलाकर, महामारी ने एक बार फिर दहशत फैला दी है।

इसी कड़ी में शुक्रवार को चौंकाने वाली खबर सामने आई। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन में 24 घंटे के अंदर तीन करोड़ 70 लाख से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। वहां आलम ये है कि अस्पतालों में बेड, दवाओं, डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी हो गई है। लोग सड़क किनारे ड्रिप लगवाकर इलाज करवाने को मजबूर हैं। हालांकि, चीन ने अपनी आधिकारिक रिपोर्ट में केवल 4,103 संक्रमितों के मिलने की पुष्टि की है। ब्लूमर्ग ने चीन के अलग-अलग राज्यों में प्रकाशित आंकड़ों के हवाले से दावा किया है कि शुक्रवार को 24 घंटे के अंदर तीन करोड़ 70 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित पाए गए हैं। एक-एक शहर में तीन से दस लाख तक मरीज पाए जा रहे हैं। हालांकि, चीन के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार 23 दिसंबर को केवल चार हजार 103 मरीज पाए गए हैं। चीन के हर शहर में मरीजों से अस्पताल भर चुके हैं। बेड, ऑक्सीजन बेड, दवाओं की भारी कमी हो चुकी है। अस्पताल के बाहर सड़क किनारे मरीजों को ड्रिप लगाकर इलाज दिया जा रहा है। अस्पतालों के वार्ड भरने के बाद छत, गलियारे तक में मरीजों को भर्ती किया गया है। कई स्पोर्ट्स स्टेडियम को अस्थायी अस्पताल में तब्दील कर दिया गया है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन में बड़ी संख्या में डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ भी संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। तेज बुखार व तबीयत खराब होने के बावजूद बड़ी संख्या में डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ के लोग अस्पतालों में लोगों का इलाज कर रहे हैं। चीन में कोरोना से मरने वाले लोगों को या तो दफनाया जा रहा या फिर जला दिया जा रहा है। इसके चलते कब्रिस्तान और अंतिम क्रिया स्थलों पर लंबी-लंबी लाइनें लग रहीं हैं। दो-दो दिन तक लोगों को इंतजार करने के बाद अपनों के शव का अंतिम संस्कार करने का मौका मिल रहा है। ये वेटिंग लिस्ट लगातार बढ़ती जा रही है। अस्पताल के शव गृह में भी जगह नहीं बची है। इसके चलते अब अस्पताल के गलियारों में शवों को रखा जा रहा है।

इधर, अमेरिका में भी खौफ

चीन के बाद अमेरिका में कोरोना के नए वैरिएंट से दहशत है। उत्तर पूर्वी अमेरिका में ओमिक्रॉन सब वैरिएंट के एक्सबीबी का कहर देखने को मिल रहा है। उत्तर पूर्वी अमेरिका में एक्सबीबी वैरिएंट में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। यूएस सेंटर फॉर डिजिज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने ये दावा किया है। अमेरिका में 18.3 प्रतिशत एक्सबीबी केस मिलने का अनुमान है। एक हफ्ते में एक्सबीबी केस 11.2 % से बढ़कर 18.3 % हो गए हैं। बता दें कि एक्सबीबी कोरोना के ओमिक्रॉन का म्यूटेशन है। सिंगापुर में भी इसी वैरिएंट के केस मिले हैं। जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के अनुसार इस हफ्ते की शुरूआत में अमेरिका में पुष्टि किए गए मामलों की संख्या 10 करोड़ से अधिक हो गई थी।

इन देशों से आनेवालों का आरटीपीसीआर टेस्ट जरूरी

केंद्र ने कोविड मामलों में वृद्धि का सामना कर रहे देशों से आगमन पर आरटी-पीसीआर जांच अनिवार्य कर दी है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शनिवार को कहा, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग और थाईलैंड से आगमन में आरटी-पीसीआर परीक्षण अनिवार्य होगा। केंद्र ने कहा है कि अगर इन देशों से आने वाले किसी भी यात्री में कोविड-19 के लक्षण पाए जाते हैं या उसका परीक्षण पॉजिटिव पाया जाता है, तो उसे क्वारंटाइन में रखा जाएगा। कोरोना के फिर बढ़ते प्रकोप को देखते हुए राज्य सरकारें भी अपने स्तर से एहतियाती उपाय में लग गई हैं।